प्रधानमंत्री द्वारा मारीशस यात्रा पर रवाना होने से पूर्व वक्तव्य

दिनांक 30 मार्च,2005

नई दिल्ली

मैं मारीशस गणराज्य के प्रधानमंत्री श्री पॉल रेमंड बरेंजर के सरकारी आमन्त्रण पर मारीशस जा रहा हूं । मैं वहां के राष्ट्रपति सर अनिरुद्ध जुगनाथ से भेंट करूंगा और मारीशस की राष्ट्रीय असेंबली को भी संबोधित करूंगा। विपक्ष के नेता डा. नवीनचंद्र रामगुलाम से भी मेरी मुलाकात होगी ।

भारत और मारीशस के बीच पुराने मैत्री संबंध हैं और ये संबंध ऐतिहासिक और साझी सांस्कृतिक विरासत पर आधारित हैं । मेरी यात्रा का उद्देश्य हमारे द्विपक्षीय संबंधों के स्वरूप को और मजबूत बनाना है । इसके साथ ही मारीशस के साथ हमारे विशेष और अद्वितीय संबंधों को हर संभव तरीके से गहरा और व्यापक बनाना है ।

इस संदर्भ में मैं मारीशस के नेताओं के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग पर बातचीत और भागीदारी समझौते के जरिये संबंधों के आर्थिक स्वरूप को और मज़बूत बनाने के उपायों पर चर्चा करने की आशा करता हूं । आतंकवाद का मुकाबला, मानव संसाधन विकास, हवाई सम्पकों और सांस्कृतिक संबंधों सहित रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग से संबंधित पहलुओं पर भी बातचीत होने की आशा है ।

भारत ने मारीशस को ज्ञान के केन्द्र के रूप में उभरने के लिए सहायता और समर्थन दिया है । संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने गत वर्ष 28 नवम्बर को अपनी मारीशस यात्रा के दौरान राजीव गांधी विज्ञान केन्द्र का उद्घाटन किया था ।

भारतीय सहायता से मारीशस की सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए इबेन में निर्मित साइबर टावर का मेरी यात्रा के दौरान उद्घाटन किया जाएगा ।

मैं क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान की भी अपेक्षा करता हूं जिन पर हमारे दोनों देशों के बीच करीब-करीब मिलते जुलते विचार हैं । हम मारीशस को अफ्रीकी महाद्वीप के मैत्रीपूर्ण प्रवेशद्वार और बहुपक्षीय मंचों पर बहुमूल्य भागीदार के रूप में देखते हैं ।